भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 13 सं. 12 दिसंबर 2021

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव

- व.अ.सं., देहरादून ने 4 और 5 दिसंबर 2021 को "कार्बोटाइड्रेट्स के रसायनविज्ञान एवं जैवविज्ञान में विकास (एडवांसेस)" (कार्बो XXXV) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, व.अ.सं., और विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों सहित भारत और विदेशों के 250 से अधिक प्रतिभागियों तथा संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड और पुर्तगाल के प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.अ.सं., देहरादून ने 21 दिसंबर 2021 को "सैलिब्रेटिंग रिवर ऑफ इंडिया" के अंतर्गत "रिस्पना नदी प्रणाली हेतु कायाकल्प योजना की तैयारी के लिए एक समावेशी जल विज्ञान अध्ययन" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर में वन आनुवंशिक संसाधनों और वृक्ष सुधार पर एनविस संसाधन भागीदार ने 3 दिसंबर 2021 को "मृदा की लवणता को रोकें, मृदा की उत्पादकता को बढ़ावा दें" विषय पर विश्व मृदा दिवस 2021 को डिजिटल रूप से मनाया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर में वन आनुवंशिक संसाधनों और वृक्ष सुधार पर एनविस संसाधन भागीदार ने 11 दिसंबर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 2021 के अवसर पर एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने 27 दिसंबर 2021 को सुशासन सप्ताह के अवसर पर "कार्यस्थल पर नैतिकता और मूल्य" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 10 दिसंबर 2021 को "पौधशाला तकनीक, चंदनकाष्ठ की खेती और प्रबंधन" पर वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में देश भर के लगभग 40 किसानों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए 21 से 24 दिसंबर 2021 तक 'सुशासन सप्ताह' का आयोजन किया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 24 दिसंबर 2021 को "चंदन का तेलः उपयोग, मिलावट और अभिज्ञान तकनीक" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में शोधकर्ताओं, चंदन उगाने वाले किसानों आदि सहित लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 10 दिसंबर 2021 को "वानिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से नदियों का कायाकल्प" पर पोस्टर प्रतियोगिता और "मानव जीवन के लिए नदियों के महत्व और भारतीय नदियों के वर्तमान परिदृश्य" पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 29 दिसंबर 2021 को "भारतीय नदियां" उत्सव मनाया। 160 वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, डीपीएस और केवी स्कूली छात्रों, शिक्षकों और आईटीबीपी के अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
आजादी का अमृत महोत्सव	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	03
परामर्श	04
वेबिनार / सेमिनार / बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
जागरूकता कार्यक्रम	07
लघु फिल्म का विलोचन	07
विविध	07
मानव संसाधन समाचार	07

व.अ.सं., देहरादून ने "कार्बोटाइड्रेट्स के रसायनविज्ञान एवं जैवविज्ञान में विकास (एडवांसेस)" (कार्बो XXXV) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने मृदा लवणता को रोकें, मृदा की उत्पादकता को बढ़ावा दें विषय पर विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया

- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 27 नवंबर से 3 दिसंबर 2021 तक व.व.अ.सं. कर्मचारियों के बीच विभिन्न कार्यक्रमों के साथ "पूर्वोत्तर महोत्सव" मनाया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 28 दिसंबर 2021 को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में "सुशासन दिवस" मनाया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 17 दिसंबर 2021 को "भारतीय नदियों" का उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और शोधार्थी शामिल हुए।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 20 से 26 दिसंबर 2021 तक "सुशासन सप्ताह" मनाया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और शोधार्थियों ने भाग लिया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 27 दिसंबर 2021 को "शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्र में चंदन की खेती की संभावना" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और शोधार्थियों ने भाग लिया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने 20 दिसंबर 2021 को सुशासन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने 9 दिसंबर 2021 को 'नदियों के संरक्षण और पुनःस्थापन के लिए जागरूकता' विषय के अंतर्गत भारत सरकार की एक पहल नदी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया।
- व.उ.सं., रांची ने 3 दिसंबर 2021 को खूंटी जिले के कर्रा ब्लॉक के अंतर्गत हसबेड़ा, वंतोली गांव में "औषधीय पादपों की खेती और मूल्यवर्धन" पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 9 दिसंबर 2021 को वन अनुसंधान केन्द्र, मंदार में "मांग के अनुसार औषधीय पादपों" पर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में मंदार और आसपास के 52 किसानों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 10 दिसंबर 2021 को "स्वच्छताः भारत की नदियों की सफाई में सामुदायिक भागीदारी" पर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान, सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों सहित 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 15 दिसंबर 2021 को सिरका गांव में "आजीविका सृजन हेतु वन उपज और लाख की भूमिका पर विकलांग और ग्रामीण महिलाएं" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 27 नवंबर से 03 दिसंबर 2021 तक "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम" पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 4 से 10 दिसंबर 2021 तक "भारतीय स्वतंत्रता सैनानी" पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

व.व.अ.सं., जोरहाट ने सुशासन दिवस मनाया

शु.व.अ.सं., जोधपुर ने शुष्क और अर्ध–शुष्क क्षेत्र में चंदन की खेती की संभावना विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया

व.अ.सं., रांची ने औषधीय पादपों की खेती और मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

व.उ.सं., रांची ने वन अनुसंधान केंद्र, मंदार में मांग के अनुसार औषधीय पादप पर सेमिनार का आयोजन किया

- व.जै.सं., हैदराबाद ने 11 से 17 दिसंबर 2021 तक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 18 से 24 दिसंबर 2021 तक "फिट इंडिया फ्रीडम रन" का आयोजन किया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 25 से 31 दिसंबर 2021 तक "जैव विविधता पर लघु फिल्म प्रतियोगिता" कार्यक्रम का आयोजन किया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 23 दिसंबर 2021 को सुशासन सप्ताह मनाया। कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

व.जै.सं., हैदराबाद ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी पर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की

व.जै.सं., हैदराबाद ने फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- कांजीलाल और ओस्मास्टन के वन वनस्पतिजात के संशोधन पर परियोजना के अंतर्गत क्रमशः टोंस वन प्रभाग से एकत्रित 20 पादप प्रजातियां और बागेश्वर वन प्रभाग से एकत्रित 25 पादप प्रजातियों की नामावली का अद्यतनीकरण और विवरण पूरा किया गया।
- *क्यूप्रेसस टोरुलोसा* सूचिकाओं से पृथक सगंध तेल की एबीटीएस, डीपीपीएच, अपचायक शक्ति आमापन का उपयोग करके पात्रे एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के लिए जांच की गई, और सकारात्मक नियंत्रण, एस्कॉर्बिक अम्ल के साथ तुलनीय पाया गया।
- *नियोलिट्सिया पैलन्स* के पर्णों से पृथक सगंध तेल की विष खाद्य तकनीक का उपयोग करके *कैन्डिडा एल्बिकन्स* के विरूद्ध इसकी पात्रे एंटिफंगल गतिविधि के लिए जांच की गई, तथा सकारात्मक नियंत्रण, फुकोनेज़ोल के साथ तुलनीय पाया गया।
- *प्रिंसपिया यूटिलिस* के बीज के तेल की तीव्र विषाक्तता की जांच ओईसीडी 423 दिशानिर्देशों का उपयोग करते हुए स्विस एल्बिनो चूहों पर की गई और यह तेल जन्तु के शरीर के भार के 2000 मिग्रा/किग्रा पर गैर विषाक्त और जीवे जैविक अध्ययन के लिए उपयुक्त पाया गया।
- 4 राज्यों यथा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में पश्च मानसून के मौसम में शलभों के नमूने लिए गए। प्रतिदिन शाम 7–10 बजे से रोशनी और मोथ स्क्रीन का उपयोग करके शलभों के नमूने लिए गए। कुल 12 बार नमूने लिए गए, 6 कुलों की 108 प्रजातियों (क्रैम्बिडी, एरेबिडी, जियोमेट्रिडी, लिमाकोडिडी, नोक्टुइडी, नोलिडी) का नमूना लिया गया और उनका अभिज्ञान किया गया और 25 नमूनों को एकत्र और संरक्षित किया गया। उत्तराखंड के शिवालिक से 248 से अधिक शलभ प्रजातियों की जानकारी के साथ शलभों के डेटाबेस को अद्यतन किया गया।

वन आनुवंशिक एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- आण्विक वर्गिकी के माध्यम से सात कवक अंतरःपादप का अभिज्ञान किया गया और उनके अनुक्रम NCBI जीनभण्डार (प्राप्ति संख्या OL801347 से O1801353 तक) में जमा किए गए।
- कैसुरीना के कृंतकीय रोपण में इष्टतम अंतरण के माध्यम से रोग प्रबंधन के लिए, आंध्र पेपर्स लिमिटेड के साथ एक सहयोगी परियोजना के अंतर्गत व.आ.वृ.प्र.सं. द्वारा जारी *कैसुरिना* संकर कृंतकों (सीएच1, सीएच2 और सीएच5) के साथ एक अंतरण परीक्षण स्थापित किया गया। दो साल की आयु में किए गए प्रेक्षणों से पता चला है कि 1 मीटर x 1 मीटर (32.76 टन प्रति एकड़) की सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली संकीर्ण अंतरण की तुलना में 33.35 टन प्रति एकड़ की अधिक लुगदी की उपज 2 मीटर x 1 मीटर के व्यापक अंतरण के अंतर्गत दर्ज की गई। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2 मीटर x 1 मीटर के अंतरण के अंतर्गत कॉलर रोट (*डिप्लोडिया* प्रजा. के कारण) या बैक्टीरियल विल्ट (*राल्स्टोनिया सोलेनेसीरम* के कारण) और कृंतक सीएच 2 (अपेक्षाकृत अतिसंवेदनशील कृंतक) के वृक्ष उखड़ने की कोई घटना नहीं हुई। इसके विपरीत, उसी परीक्षण भूखंड में 1 x 1 मीटर के संकीर्ण अंतरण के अंतर्गत रोग की घटनाओं और आवास की व्यापकता देखी गई। रोग की अनुपस्थिति और अधिक अंतरण में आवासः i) जड़ प्रसार और विकास के लिए अधिक स्थान,

ii) जड़ क्षेत्र पर अधिक धूप प्राप्त करना और iii) वायु बल को कम अवरोधन के साथ मुक्त वायु प्रवाह के लिए गुण माना जा सकता है।

- केरल के त्रिशूर जिले में कलासमलाई वन क्षेत्र, वट्टापरुधि वन क्षेत्र, चिमोनी वन्यजीव क्षेत्र, वेल्लानिपाचा वन क्षेत्र, मलक्कापारा और शोलायर वन क्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों में क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया और वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों के लिए बीज स्रोतों यथा *सिज़ीजियम ट्रैवनकोरियम, जाइलिया ज़ाइलोकार्पा, लैजरस्ट्रोइमिया माइक्रोकार्पा, टर्मिनेलिया पैनिकुलाटा, टी. बेल्लेरिका, मैकरंगा पेल्टाटा, अल्बिज़िया ओडोरैटिसिमा, कैसिया फिस्टुला, राइटिया टिनक्टोरिया, बाउकेरिया कोर्टलेंसिस, मिरिस्टिका मेलेबेरिका, डायसोक्सुलम मालाबारिकम, होपिया पर्विफ्लोरा, बौहिनिया रेसमोसा, बी. मालाबेरिका, एरिथ्रिना वेरिएगाटा, टर्मिनेलिया एलिप्टिका, गरुगा पिनाटा, कुलेनिया ज़ारिलाटा, कैनेरियम स्ट्रिक्टम, एलाओकार्पस ट्यूबरकुलेटस* एवं *वेटेरिया इण्डिका* का चयन किया गया।
- व.आ.वृ.प्र.सं. द्वारा विकसित जैव उर्वरक (एएम कवक, एजोस्पिरिलम, फॉस्फोबैक्टीरियम) को *मेलिना आर्बोरिया* नवोद्भिद् के लिए संरोपित किया गया तथा वृद्धि और जैवमास की तुलना वाणिज्यिक जैव उर्वरक संरोपित नवोद्भिद् से की गई। नवोद्भिद् का पौधशाला में मूल्यांकन किया गया और खेत में लगाया गया। यह देखा गया कि व.आ.वृ.प्र.सं. जैव उर्वरक में व्यावसायिक जैव उर्वरक संरोपित नवोद्भिद् की तुलना में संरोपित नवोद्भिद् में वृद्धि काफी अधिक थी।

परामर्श

भा.वा.अ.शि.प. को दो नई परामर्श परियोजनाएं प्रदान की गईं:

- दीपका क्षेत्र, एसईसीएल, कोरबा, छत्तीसगढ़ द्वारा दीपका विस्तार परियोजना दीपका क्षेत्र, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कोरबा, छत्तीसगढ़ का पर्यावरण अंकेक्षण।
- आवश्यक उपायों से काली सिंध नदी पर प्रस्तावित नवनेरा जलाशय के तत्काल जलग्रहण में जल गुणवत्ता में सुधार और आबरा गांव, तहसील डिगोड, जिला कोटा, (राजस्थान) के निकट शेष वन क्षेत्र में अनुसूचित वन्यजीव (सरीसृप) के खोए हुए वासस्थल के पुनर्वास पर अध्ययन।

वेबिनार/सेमिनार/बैठक

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	जलवायु स्मार्ट वानिकी: जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए एक उपकरण पर वेबिनार	8 दिसम्बर 2021	वैज्ञानिक, वन अधिकारी, शिक्षाविद और शोधार्थी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
2.	वर्तमान परिदृश्य में वानिकी अनुसंधान की आवश्यकता पर सेमिनार	7 दिसम्बर 2021	शु.व.अ.सं. के वैज्ञानिक, अधिकारी, तकनीकी कर्मचारी
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
3.	चिनाब, रावी और झेलम नदियों की डीपीआर प्रस्तुति पर बैठक	22 दिसम्बर 2021	माननीय आयुक्त सचिव (वन), जम्मू और कश्मीर यूटी, पीसीसीएफ (एचओएफएफ) (जे एंड के), वन अधिकारी जम्मू–कश्मीर यूटी, जम्मू–कश्मीर यूटी के विभिन्न हितधारक
	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
4.	पृथ्वी पर संवहनीय जीवन 2021 पर बैठक	17 से 18 दिसम्बर 2021	वैज्ञानिक और अन्य प्रतिभागी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून		
1.	वन कार्बन स्टॉक का मापन	1,4 एवं 7 दिसम्बर 2021	छत्तीसगढ़ के पंडरिया पश्चिम वन रेंज, मरवाही वन रेंज और रघुनाथनगर वन रेंज
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
2.	माइकोराइजा आधारित जैव उर्वरक बनाना	9 दिसम्बर 2021	किसान
3.	वन नीति, कानून और पर्यावरण कानून	13 से 17 दिसम्बर 2021	भा.वा.अ.शि.प. के वैज्ञानिक
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
4.	कार्यालय प्रक्रिया	1 से 3 दिसम्बर 2021	भा.वा.अ.शि.प. के प्रशासनिक कर्मचारी
5.	समुदायों की आजीविका संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए बांस संसाधन विकास	13 से 17 दिसम्बर 2021	-
6.	बांस, अगरवुड, मशरूम और कृमिखाद	22 और 23 दिसम्बर 2021	ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान, अगिया, गोलपारा

व.व.अ.सं., जोरहाट ने कार्यालय प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आयोजित किया

व.व.अ.सं., जोरहाट ने बांस, अगरवुड, मशरूम और कृमिखाद पर प्रशिक्षण आयोजित किया

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

7.	जलवायु परिवर्तन, कार्बन पृथक्करण	15 से 16 दिसम्बर 2021	अदानी पावर महाराष्ट्र लिमिटेड के अधिकारी और कर्मचारी, वैज्ञानिक और तकनीकी अधिकारी
8.	वानिकी प्रजातियों का प्रवर्धन	21 दिसम्बर 2021	वैज्ञानिक, वनपाल, शिक्षाविद और छात्र
9.	साल अंतःकाष्ठ बेधक *हॉप्लोसेरेम्बिक्स स्पिनिकोर्निस* का प्रबंधन	23, 25 और 26 दिसम्बर 2021	विभिन्न वन प्रभागों के अग्रिम श्रेणी के कर्मचारी

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

10.	चिलगोजा के संरक्षण और स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता	1 दिसम्बर 2021	हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग, किसान और पंचायत प्रधान

उ.व.अ.सं., जबलपुर ने जलवायु परिवर्तन, कार्बन पृथक्करण पर प्रशिक्षण आयोजित किया

हि.व.अ.सं., शिमला ने चिलगोजा के संरक्षण और स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता प्रशिक्षण आयोजित किया

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

11.	गुणवक रोपण सामग्री उत्पादक और पादप ऊतक संवर्धन तकनीकें और इसके अनुप्रयोग	दिसम्बर 2021	बेरोजगार युवा

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

12.	पौधशाला, रोपणी और वनों में एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन	16 और 17 दिसम्बर 2021	भा.व.से. अधिकारी

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

13.	बांस, मृदा, औषधीय पादप, वन–संवर्धन	14 और 24 दिसम्बर 2021	वानिकी विद्यार्थी

जागरूकता कार्यक्रम

- व.अ.सं., देहरादून ने 23 दिसंबर 2021 को कुदरीखेड़ा, फतेहपुर पेलियो (सहारनपुर), उत्तर प्रदेश के किसानों और 24 दिसंबर 2021 को धालूवाला मजबाता (हरिद्वार), उत्तराखंड में किसानों के लिए "निम्नीकृत भूमि पर गम्हार और आंवला आधारित कृषि वानिकी" पर जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में लगभग 75 किसानों ने भाग लिया।
- व.अ.सं., देहरादून ने 24 दिसंबर 2021 को उत्तराखंड के धलूवाला कलां (हरिद्वार) में किसानों के लिए "कदम, कचनार और भीमल आधारित कृषि वानिकी" पर जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में लगभग 35 किसानों ने भाग लिया।

व.अ.सं., देहरादून ने निम्नीकृत भूमि पर गम्हार और आंवला आधारित कृषि वानिकी पर जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए

लघु फिल्म का विलोचन

2 दिसम्बर 2021 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर में "आदिवासियों को उनकी आजीविका सहायता के लिए कचरे से खाद का विकासः स्वच्छ भारत मिशन का एक हिस्सा" पर एनआरडीएमएस–डीएसटी, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत लघु फिल्म – कचरे का पुनर्चक्रण और आजीविका का समर्थनः व.आ.वृ.प्र.सं. की एक आदिवासी विकास पहल का विमोचन किया गया।

विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषय	दिनांक
हि.व.अ.सं., शिमला	अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस	12 दिसंबर 2021

मानव संसाधन समाचार

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री पी. अरूलराजन, भा.व.से. (एजीएमयूटी:2009) डीसीएफ, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर	29.12.2021

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री ए. दूरई, मू.त.अ., शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.12.2021
डॉ. जी.सिंह, वैज्ञानिक–'जी', शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.12.2021

सरंक्षकः

श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।